अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 102 | श्री विजय पुरम, शनिवार, 18 अप्रैल 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

व्यंजन, परम्परा और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का अनूठा संगम

प्रदर्शनी मैदान में द्वीप खाद्य महोत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ

श्री विजय पुरम, 17 अप्रैल

तीन दिवसीय 'द्वीप खाद्य महोत्सव 2026' का आज प्रदर्शनी मैदान, श्री विजय पुरम में भव्य शुभारंभ हुआ। इस रंगारंग आयोजन ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में फल–फूल रही भारतीय व्यंजनों और संस्कृतियों की समृद्ध विरासत को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। पर्यटन विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा आयोजित इस महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि, निदेशक (सूचना, प्रचार एवं पर्यटन) श्री विनायक चमाड़िया (आईएएस) ने किया।

शाम 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित यह महोत्सव द्वीपों के विभिन्न समुदायों को एक मंच पर लाकर "विविधता में एकता" की भावना को व्यंजन, परंपरा और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रदर्शित करता है। यह आयोजन देशभर की विभिन्न संस्कृतियों के संगम स्थल के रूप में द्वीपों की भूमिका को भी रेखांकित करता है, जहां अलग–अलग क्षेत्रों की पाक परंपराएं साथ–साथ विकसित हो रही हैं।

स्थानीय विक्रेताओं, स्वयं सहायता समूहों तथा सांस्कृतिक संगठनों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में आगंतुकों को देश के विभिन्न हिस्सों के प्रामाणिक व्यंजनों का स्वाद लेने का अवसर मिला। कन्नड़ संघ, भोजपुरी समाज, मोपला समुदाय, रांची एसोसिएशन तथा निकोबारी समुदाय जैसे सांस्कृतिक समूहों ने पारंपरिक व्यंजन प्रस्तुत कर भारत की समृद्ध पाक विरासत की विविधता को दर्शाया। महोत्सव के उद्घाटन दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग श्रृंखला भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की शुरुआत साई योग ट्रस्ट द्वारा प्रस्तुत कलात्मक योग से हुई, जिसमें आराध्या और गोपिकाश्री दर्शिनी ने शानदार प्रस्तुति दी। इसके बाद अफ़शीन और अमरीन ने युगल योग का आकर्षक प्रदर्शन किया। तत्पश्चात अंशिका हवालदार और अनुष्का रॉय द्वारा प्रस्तुत गरबा नृत्य ने अपनी पारंपरिक शैली से दर्शकों का मन मोह लिया।

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस द्वारा प्रस्तुत जागरूकता नाटक ने सामाजिक संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। पुलिस द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम ने भी संध्या को

शेष पृष्ठ 4 पर

पद्म पुरस्कार 2026 हेतु ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ, अंतिम तिथि 31 जुलाई

श्री विजय पुरम, 17 अप्रैल

"पद्म विभूषण", "पद्म भूषण" एवं "पद्म श्री" जैसे प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन नामांकन/अनुशंसा की प्रक्रिया 15 मार्च, 2026 से प्रारंभ हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 निर्धारित की गई है। ये पुरस्कार प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर घोषित किए जाते हैं।

इन पुरस्कारों का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं विशिष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना है। कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, लोक मामलों, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि सभी क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धि या सेवा के लिए ये पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। बिना किसी भेदभाव के, सभी व्यक्ति–चाहे उनका जाति, पेशा, पद या लिंग कुछ भी हो–इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। इन पुरस्कारों से संबंधित नियम एवं दिशा–निर्देश गृह मंत्रालय की वेबसाइट **www.padmaawards.gov.in** पर उपलब्ध हैं।

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन/अनुशंसा केवल गृह मंत्रालय द्वारा विकसित ऑनलाइन पोर्टल **www.padmaawards.gov.in** के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। नामांकन/अनुशंसा में निर्धारित प्रारूप के अनुसार सभी आवश्यक विवरण स्पष्ट रूप से भरना अनिवार्य है, जिसमें संबंधित व्यक्ति की अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं विशिष्ट उपलब्धियों/सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। ऑनलाइन सिफारिश करते समय सभी आवश्यक जानकारियां सही ढंग से भरने का विशेष ध्यान रखना चाहिए। ऑनलाइन नामांकन की प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी भी उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सहायक सचिव (सामान्य प्रशासन) से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यदि कोई नामांकन/अनुशंसा प्रस्तुत करनी हो, तो उसे आवश्यक कार्यवाही हेतु 3 जुलाई, 2026 तक सहायक सचिव (सामान्य प्रशासन) के कार्यालय में जमा कराया जा सकता है।

लोक निवास में राजस्थान, ओडिशा एवं हिमाचल प्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया

श्री विजय पुरम, 17 अप्रैल।

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के अंतर्गत और भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, राजस्थान, ओडिशा और हिमाचल प्रदेश का स्थापना दिवस 17 अप्रैल, 2026 को लोक निवास में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस समारोह में राजस्थान, ओडिशा और हिमाचल प्रदेश के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान एक संवाद और अनुभव साझा करने का सत्र आयोजित किया गया। राजस्थान, ओडिशा और हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर आधारित एक लघु वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया गया।

लोक निवास से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का समापन हाई टी, समूह फोटो और आमंत्रितों को स्मृति चिन्ह भेंट करने के साथ हुआ। प्रतिभागियों ने इस पहल के लिए और उन्हें संवाद और अनुभवों के आदान–प्रदान हेतु एक मूल्यवान मंच प्रदान करने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय और लोक निवास के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुलिस मुख्यालय में सिविल सेवा परीक्षा के रैंकधारी श्री शियाद को डीजीपी ने किया सम्मानित

श्री विजय पुरम, 17 अप्रैल

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पुलिस महानिदेशक श्री हरगोबिंदर सिंह धालीवाल (आईपीएस) ने पुलिस मुख्यालय, अटलांटा प्वाइंट में सिविल सेवा परीक्षा 2025 में अखिल भारतीय स्तर पर 743वीं रैंक प्राप्त करने वाले अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के युवा प्रतिभाशाली श्री शियाद को सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक ने उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया।

पुलिस महानिदेशक ने उनकी लगन, दृढ़ता और कठिन परिश्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी सफलता ने द्वीपसमूह को गौरवान्वित किया है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियाँ न केवल अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के युवाओं की क्षमता को उजागर करती हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए एक सशक्त प्रेरणा स्रोत भी बनती हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस महानिदेशक ने युवाओं को अपने लक्ष्यों के प्रति एकाग्र और प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रोत्साहित किया तथा प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, संकल्प और निरंतर अध्ययन के

महत्व पर बल दिया। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि श्री शियाद की यह उपलब्धि द्वीपसमूह के अनेक युवाओं को अपने–अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री शियाद को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य एवं जनसेवा के क्षेत्र में सफल योगदान के लिए अपनी शुभकामनाएँ दीं।

सार्वजनिक स्थलों पर अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाने हेतु प्रशासन की कड़ी चेतावनी

श्री विजय पुरम, 17 अप्रैल

यह देखा गया है कि बड़ी संख्या में परित्यक्त वाहनों द्वारा सड़कों के किनारे सार्वजनिक स्थानों पर कब्ज़ा किया गया है। इसके अलावा, निजी तथा व्यावसायिक दोनों प्रकार के अनेक वाहन यातायात नियमों और जनसुरक्षा की पूर्ण अवहेलना करते हुए द्वीपसमूह में सार्वजनिक सड़कों, रोड बर्मस् तथा रोड शोल्डर पर नियमित रूप से खड़े किए जा रहे हैं।

अतः सभी वाहन मालिकों एवं संचालकों, जिनके परित्यक्त, निजी अथवा व्यावसायिक वाहन सार्वजनिक सड़कों, रोड बर्मस्, रोड शोल्डर या किसी गैर–निर्धारित स्थान पर अवैध रूप से खड़े हैं, को निर्देशित किया जाता है कि वे इस प्रेस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 3 दिनों के भीतर ऐसे सभी वाहनों को हटाकर निर्धारित पार्किंग स्थलों पर स्थानांतरित करें। उक्त अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रशासन द्वारा मोटर वाहन अधिनियम, 1988 तथा मोटर वाहन (ड्राइविंग) विनियम, 2017 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत सार्वजनिक सड़कों एवं रोड शोल्डर पर अवैध रूप से खड़े पाए जाने वाले वाहनों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

परिवहन विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार ऐसे वाहनों को प्रवर्तन दल द्वारा ज़ब्त कर टो किया जाएगा। कार्रवाई के अंतर्गत जुर्माना लगाना, वाहन को मालिक के खर्च पर टो करना, व्हील–क्लैम्पिंग तथा कानून के अंतर्गत अन्य आवश्यक कार्रवाई शामिल होगी। यह भी सूचित किया जाता है कि टोइंग एवं स्थानांतरण के दौरान होने वाली किसी भी क्षति के लिए वाहन स्वामी स्वयं ज़िम्मेदार होगा। अतः सभी वाहन स्वामियों से विनम्र अनुरोध है कि वे अपने वाहनों को समय रहते हटा लें, ताकि टोइंग एवं अन्य कार्रवाई से बचा जा सके। आमजन से भी इस प्रयास में प्रशासन को सहयोग करने की अपील की गई है।

दक्षिण अण्डमान में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु विकास कार्यों का उद्घाटन

श्री विजय पुरम, 17 अप्रैल

ज़िला परिषद, दक्षिण अण्डमान ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने एवं सार्वजनिक सुविधाओं में सुधार हेतु अपने प्रयास लगातार जारी रखे हुए है। इसी क्रम में 16 अप्रैल, 2026 को ज़िला परिषद, दक्षिण अण्डमान के अध्यक्ष श्री प्रकाश अधिकारी ने गुप्तापाड़ा में नॉन–रोडसाइड नाले के निर्माण तथा हम्फ्रीगंज में बस स्टैंड के नवीनीकरण सहित दो महत्वपूर्ण विकास कार्यों का उद्घाटन किया।

शेष पृष्ठ 4 पर

इंटर–टाइडल वॉकॉन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित, पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

श्री विजय पुरम, 17 अप्रैल

पर्यटन विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा अण्डमान तथा निकोबार पर्यावरण टीम (एएनईटी)–दक्षिण फाउंडेशन के सहयोग से 17 अप्रैल, 25 अप्रैल, 27 अप्रैल एवं 30 अप्रैल, 2026 को इंटर–टाइडल वॉकॉन आयोजित करने हेतु चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों का चयन विभाग द्वारा पूर्व में आयोजित टूर गाइड एवं ईको टूर गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल अभ्यर्थियों में से किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के मार्गदर्शन कौशल को सुदृढ़ करना, पर्यटकों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करना तथा इंटर–टाइडल पारितंत्र के प्रति जागरूकता एवं व्यावहारिक समझ को बढ़ावा देना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत नॉर्थ वंडूर स्थित एएनईटी फील्ड स्टेशन में एक ज्ञानवर्धक कक्षा सत्र के साथ हुई,

शेष पृष्ठ 4 पर

स्कूल सुरक्षा एवं आपदा तैयारी पर शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया

श्री विजय पुरम, 17 अप्रैल

आपदा प्रबंधन निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा शिक्षा निदेशालय के समन्वय से 16 एवं 17 अप्रैल को "स्कूल सुरक्षा एवं आपदा तैयारी" विषय पर दो दिवसीय ''शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम'' आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के 412 विद्यालयों के शिक्षकों के लिए आठ बैचों में 16 अप्रैल, 2026 से आपदा प्रबंधन भवन, लिंक रोड, गोलघर, श्री विजय पुरम के प्रशिक्षण हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूलों में एक सुदृढ़ एवं लचीला वातावरण तैयार करना है, जिसके तहत शिक्षकों को आपदा की स्थिति में प्रभावी ढंग से तैयारी, प्रतिक्रिया एवं प्रबंधन हेतु आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान किए जा सकें। प्रथम बैच के उद्घाटन सत्र में विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों के 43 शिक्षकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आपदा प्रबंधन निदेशक श्रीमती प्रियंका कुमारी ने आपातकालीन परिस्थितियों में शिक्षकों की भूमिका को प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता के रूप में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह भूकंप एवं सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील है, इसलिए विद्यालय स्तर पर तैयारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि "शिक्षक सामुदायिक जागरूकता की रीढ़ हैं और उनकी आपदा तैयारी में दक्षता छात्रों एवं समाज में सुरक्षा की संस्कृति विकसित करने में सहायक होगी।"

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इससे पूर्व, आपदा प्रबंधन निदेशालय के सहायक निदेशक (प्रशासन) श्री जनिक राम ने उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन आज आयोजित समापन सत्र के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागी शिक्षकों को "क्या करें और क्या न करें" विषयक आईईसी सामग्री एवं प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर शिक्षा विभाग की उप निदेशक (योजना) श्रीमती अर्चना सिंह, कनिष्ठ अभियंता श्री एस. कुप्पुस्वामी तथा आपदा प्रबंधन निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अंत में, आपदा प्रबंधन निदेशालय के सांख्यिकी अधिकारी श्री सुदेव कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कंपनी अधिनियम एवं कॉर्पोरेट कार्यों पर कार्यशाला 24 अप्रैल को

श्री विजय पुरम, 17 अप्रैल

उद्योग निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा स्टार्टअप्स, एमएसएमई, उद्यमियों एवं स्वरोज़गार से जुड़े युवाओं के लिए "कंपनी अधिनियम एवं कंपनी मामलों पर जागरूकता" विषय पर महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन 24 अप्रैल, 2026 को सुबह 9 बजे से श्री विजय पुरम में उद्योग निदेशालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया जाएगा।

यह कार्यशाला रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी), चेन्नई के सहयोग से आयोजित की जा रही है, जिसमें उप–पंजीयक श्री ऐशाला वामशी कृष्णा मुख्य वक्ता के रूप में भाग लेंगे। इस ऑफलाइन कार्यक्रम में कंपनी गठन (एसपीआईसीई +, प्राइवेट लिमिटेड/एलएलपी/ओपीसी), वैधानिक अनुपालन, निदेशकों के दायित्व, फंड जुटाने (प्राइवेट प्लेसमेंट/एफडीआई) तथा डॉर्मेंट स्टेटस जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। यह पहल स्टार्टअप इंडिया एवं मेक इन इंडिया के अनुरूप व्यवसायों के औपचारिकीकरण, निवेश की तैयारी और रोज़गार सृजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की जा रही है। यह कार्यशाला मौजूदा प्राइवेट लिमिटेड/एलएलपी/ओपीसी के संचालकों के साथ–साथ नवाचार की दिशा में कार्यरत इच्छुक युवाओं, अपंजीकृत व्यवसायों तथा उद्योग संगठनों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होगी। इसमें प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी प्रदान की जाएगी, जिससे वे कंपनियों के स्ट्राइक–ऑफ जैसी समस्याओं से बचते हुए अपने व्यवसाय को विस्तार दे सकें।

इच्छुक प्रतिभागी 22 अप्रैल, 2026 तक उद्योग निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन में पंजीकरण कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9476029393 पर संपर्क किया जा सकता है या गूगल फॉर्म के माध्यम से भी पंजीकरण किया जा सकता है **https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSf0YCFoaZySHj-Zd2TTPMEUjHY0KX5wERLEdBPxz_0i5lzioA/viewform** अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में 'ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने वाली इस महत्वपूर्ण पहल का लाभ उठाने का अवसर न चूकें।

दिलानीपुर आंगनवाड़ी में मातृ एवं शिशु पोषण पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित

श्री विजय पुरम, 17 अप्रैल।

कुपोषण पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत यहां के दिलानीपुर आंगनवाड़ी में मातृ एवं शिशु पोषण विषय पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष कर महिलाओं एवं बच्चों में पोषण स्तर में सुधार तथा समग्र स्वास्थ्य संवर्धन के उद्देश्य से चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान के अनुरूप आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. हरजीत सिंह, अनुसंधान अधिकारी प्रभारी के उदघाटन संबोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने पोषण संबंधी चुनौतियों के समाधान हेतु जन–जागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता के महत्व पर बल दिया। तत्पश्चात डॉ. एस. दीपिका, एसआरएफ, द्वारा जानकारीपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया गया, जिसमें विशेष रूप से मातृ एवं शिशु पोषण के महत्व को रेखांकित किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सत्र के दौरान स्वस्थ आहार संबंधी व्यवहारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा आयुर्वेद के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य के संरक्षण में पोषण की भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया।

रंगत में पोषण ट्रैकर ऐप पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण संचालित

रंगत, 17 अप्रैल

आईसीडीएस परियोजना, रंगत, मध्य अण्डमान द्वारा सीडीपीओ कार्यालय में पोषण ट्रैकर ऐप पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नव नियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को पोषण ट्रैकर ऐप के अद्यतन संस्करण के उपयोग पर विस्तृत प्रस्तुति एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि पोषण ट्रैकर एक आईसीटी आधारित डिजिटल गवर्नेंस टूल है, जिसका उपयोग आईसीडीएस रंगत द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों, कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं तथा लाभार्थियों की रीयल–टाइम निगरानी के लिए किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन, बच्चों की दैनिक उपस्थिति, ईसीसीई गतिविधियां, बच्चों की वृद्धि मापन एवं निगरानी तथा हॉट कुक्ड मील की व्यवस्था जैसी सेवाओं का ट्रैकिंग किया जाता है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिभागियों

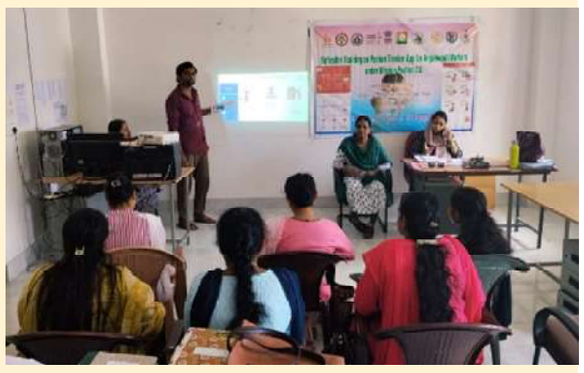

को तकनीकी हस्तक्षेपों के बारे में अद्यतन रखने हेतु विभिन्न जानकारीपूर्ण वीडियो एवं आईईसी सामग्री भी साझा की गई, जिससे मध्य अण्डमान के अंतर्गत आंगनवाड़ी सेवाओं की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

मायाबंदर में अवैध लकड़ी ज़ब्त, तलाश अभियान तेज

मायाबंदर, 17 अप्रैल

उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के मायाबंदर प्रभाग की वन अतिक्रमणरोधी एवं सतर्कता दल द्वारा कल कालापहाड़ के आरक्षित वन क्षेत्र में नियमित गश्त के दौरान अवैध रूप से हाथ से चीरी की गई पड़ाक लकड़ी (0.636 घन मीटर) ज़ब्त की गई। यह कार्रवाई वन रक्षक श्री रघुनाथ बराइक के नेतृत्व में की गई। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार घटना के बाद दोषियों का पता लगाने के लिए वन क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। वन विभाग ने वन संसाधनों के संरक्षण एवं सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए आम जनता से अपील की है कि अवैध कटाई या वन उत्पादों की आवाजाही से संबंधित किसी भी सूचना को साझा कर सहयोग करें।

प्रदर्शनी मैदान में द्वीप खाद्य महोत्सव

पृष्ठ 1 का शेष

और अधिक आकर्षक बनाया। महोत्सव के अंतर्गत स्थल पर शतरंज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है। दिनभर के कार्यक्रमों का समापन अल्फा म्यूज़िकल द्वारा प्रस्तुत संगीत कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया। पर्यटन विभाग ने सभी वर्गों के लोगों से अपील की है कि वे 19 अप्रैल तक चलने वाले इस महोत्सव में भाग लें और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की विशिष्ट स्वाद और परंपराओं के अनूठे संगम का अनुभव करें।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का दिनवार कार्यक्रम

दिनांक	समय			
18.04.2026 (शनिवार)	झंकार डांस ग्रुप – थिल्लाना फ्यूजन एवं अर्ध–शास्त्रीय	शाम 5 बजे से शाम 5.15 बजे	एमजे म्यूज़िक अकादमी	शाम 5.45 बजे से शाम 6.45 बजे
	गौरी शंकर	शाम 5.15 बजे से शाम 5.30 बजे	बीएनए	शाम 6.45 बजे से शाम 7 बजे
	बीएनए	शाम 5.30 बजे से शाम 5.40 बजे	मेलोडी मेकर्स (शैलेन्द्र सिंह एवं समूह)	शाम 7 बजे से अंत तक
19.04.2026	गरबा नृत्य – अंशिका हावलदार और अनुष्का रॉय	शाम 5 बजे से शाम 5.20 बजे	अण्डमान तथा निकोबार पुलिस स्किट (नाटक)	शाम 5.50 बजे से शाम 6 बजे
	डीएनए	शाम 5.20 बजे से शाम 5.40 बजे	गीत संगीत म्यूज़िकल ग्रुप	शाम 6 बजे से शाम 7.45 बजे
	मारी जैक्सन एवं समूह	शाम 5.40 बजे से शाम 5.50 बजे	बीआरडब्ल्यू (वरिष्ठ कलाकार वाहिद शाह एवं समूह)	शाम 7:45 बजे से अंत तक

दक्षिण अण्डमान में आधारभूत सुविधाओं

पृष्ठ 1 का शेष

हम्फ्रीगंज का बस स्टैंड विशेष रूप से स्कूली विद्यार्थियों एवं दैनिक यात्रियों के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक प्रतीक्षा स्थल के रूप में विकसित किया गया है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य संबंधित क्षेत्रों के निवासियों के लिए स्वच्छता, जल निकासी एवं जनसुविधाओं में सुधार करना है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ज़िला परिषद, दक्षिण अण्डमान श्री रजनीश सिंह (आईएएस), ज़िला परिषद सदस्य (जेडपीएम), छोलदारी श्रीमती प्रमीला कुमारी, गुप्तापाड़ा एवं हम्फ्रीगंज के पंचायत समिति सदस्य, ग्राम पंचायतों के प्रधान, पंचायती राज संस्थाओं के अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि तथा इंजीनियरिंग विंग के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने ऐसे विकास कार्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये पहल ग्रामीण जनता के जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने ज़िला परिषद, दक्षिण अण्डमान की समावेशी एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी दोहराया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इन कार्यों के समयबद्ध पूर्ण होने पर संतोष व्यक्त करते हुए क्षेत्र में आधारभूत ढांचे के निरंतर विकास की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

मजदूर पद हेतु अंतिम सूची जारी, शारीरिक परीक्षा 8 मई से

कार निकोबार, 17 अप्रैल

निकोबार वन प्रभाग, कैंपबेल बे द्वारा 'मजदूर' पद हेतु आवेदन करने वाले सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि स्थानीय समाचार पत्रों में दिनांक 13 फरवरी, 2023 में प्रकाशित विज्ञापन तथा 22 जनवरी, 2026 को आमंत्रित दावों एवं आपत्तियों के उपरांत, पात्र अभ्यर्थियों की अंतिम स्वीकृत सूची एवं शारीरिक परीक्षा की तिथि जारी कर दी गई है। यह अंतिम सूची निकोबार वन प्रभाग, कैंपबेल बे, ग्रेट निकोबार के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की गई है। साथ ही, अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण निर्देशों सहित सूची वन विभाग की वेबसाइट **www.forest.and.nic.in** पर भी उपलब्ध कराई गई है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार शारीरिक परीक्षा 8 मई, 2026 से मिनी स्टेडियम, कैंपबेल बे, ग्रेट निकोबार में आयोजित की जाएगी। शारीरिक परीक्षा या पात्रता सूची में नाम से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी/स्पष्टीकरण के लिए अभ्यर्थी निकोबार वन प्रभाग, कैंपबेल बे, ग्रेट निकोबार के भर्ती प्रकोष्ठ से व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष नंबर 9434283174 पर संपर्क कर सकते हैं।

कार निकोबार में इंटर विलेज कैनो रेस चैम्पियनशिप शुरू

कार निकोबार, 17 अप्रैल

जनजातीय परिषद द्वारा निकोबार गेम्स एंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन, कार निकोबार के सहयोग से 14वीं इंटर विलेज कैनो रेस चैम्पियनशिप का आयोजन 17 एवं 18 अप्रैल, 2026 को बिग लपाती ईएल फानाम, कार निकोबार में किया जा रहा है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आज कैनो रेस चैम्पियनशिप का क्वालिफाइंग राउंड आयोजित किया गया, जबकि सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबले 18 अप्रैल, 2026 को आयोजित होंगे।

आयुष सोसायटी के संविदा पदों के साक्षात्कार परिणाम घोषित

श्री विजय पुरम, 17 अप्रैल

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सचिवालय स्थित मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में 16 मार्च, 2026 को आयोजित लेखाकार एवं डेटा एंट्री ऑपरेटर के संविदा पदों के लिए साक्षात्कार में सम्मिलित हुए अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि परिणाम अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की वेबसाइट **www.andaman.gov.in** पर अपलोड कर दिया गया है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार साथ ही यह परिणाम अण्डमान तथा निकोबार राज्य आयुष सोसायटी, आयुष अस्पताल परिसर, जंगलीघाट, श्री विजय पुरम के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है।

इंटर–टाइडल वॉकॉन प्रशिक्षण कार्यक्रम

पृष्ठ 1 का शेष

जहां विशेषज्ञ श्रीमती माधुरी मंडल एवं श्री तनमय वाघ ने प्रतिभागियों को इंटर–टाइडल पारितंत्र के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। इसमें ज्वारीय क्षेत्र, तरंगें एवं धाराएं सहित पारिस्थितिक महत्व, जैव विविधता एवं संरक्षण से जुड़े विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही प्रभावी मार्गदर्शन तकनीकों एवं पर्यटकों से संवाद के दौरान अपनाए जाने वाले आवश्यक दिशा–निर्देश भी बताए गए। प्रतिभागियों को समुद्री जीवन, आवास की संवेदनशीलता तथा ज़िम्मेदार पर्यटन व्यवहार के प्रति जागरूक किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सैद्धांतिक सत्र के उपरांत विज्ञान केन्द्र के सामने स्थित पथरीले तटीय क्षेत्र में फील्ड आधारित इंटर–टाइडल वॉकॉन का आयोजन किया गया, जहां प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अतिरिक्त टूर ऑपरेटरों एवं पर्यटकों के लिए भी एक इंटर–टाइडल वॉकॉन आयोजित की गई, जिससे उन्हें इस पारितंत्र की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त हो सके। इस दौरान प्रतिभागियों ने समुद्री जीवों जैसे समुद्री ककड़ी, ब्रिटल स्टार, रॉक क्रैब, सी अर्चिन आदि को उनके प्राकृतिक आवास में देखा। एएनईटी के शोधकर्ताओं ने पूरे वॉक के दौरान प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए प्रजातियों की पहचान, पारिस्थितिक अंतःक्रियाएं तथा संरक्षण उपायों के बारे में जानकारी दी। यह कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जहाज़ 'सिंधु' 20 अप्रैल को कोलकाता से प्रस्थान करेगा

श्री विजय पुरम, 17 अप्रैल

जहाज़रानी सेवा निदेशालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में यात्रियों एवं आम जनता को सूचित किया गया है कि जहाज़ 'सिंधु' 20 अप्रैल, 2026 को शाम 4 बजे कोलकाता बंदरगाह से श्री विजय पुरम के लिए प्रस्थान करेगी। उक्त यात्रा के लिए यात्री टिकट 18 अप्रैल, 2026 को सुबह 9 बजे से आम जनता के लिए उपलब्ध होंगे। टिकट डीएसएस ई–टिकटिंग पोर्टल **https://dss.andamannicobar.gov.in/eticketing** के माध्यम से ऑनलाइन बुक किए जा सकते हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए पोर्टल से सीधे जुड़ने हेतु क्यूआर कोड की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, टिकट 'स्टार्स' टिकट काउंटरों से भी खरीदे जा सकते हैं।

Scan QR Code to open on mobile.

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

नैदानिक अनुसंधान इकाई होम्योपैथी, श्री विजय पुरम

भर्ती सूचना

फा.सं. 10–1/2026–27/नैअइहो–श्री विजय पुरम/विविध/29 दिनांक 16.04.2026

पद : 01 सलाहकार (रोग विज्ञानी)

आयुष मंत्रालय के केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (के.हो.अ.प.) के अन्तर्गत नैदानिक अनुसंधान इकाई होमियोपैथी, श्री विजय पुरम, डीन स्ट्रीट, आरबीवी स्कूल के सामने, जंगलीघाट में पूर्णतः संविदात्मक आधार पर **सलाहकार (पैथोलॉजिस्ट)** के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

पात्रता मापदंड :

आयु : 65 वर्ष से कम

योग्यता और अनुभव : उम्मीदवारों के पास पैथोलॉजी में प्रासंगिक योग्यता और पेशेवर अनुभव होना चाहिए (सी.सी.आर.एच. मानदंडों के अनुसार विवरण)।

आवेदन प्रक्रिया : इच्छुक उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे अपना बायोडाटा 15 दिनों के भीतर व्यक्तिगत रूप से/ई–मेल के माध्यम से नीचे दिए गए पते पर जमा करें।

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें :

क्लिनिकल रिसर्च यूनिट फॉर होम्योपैथी श्री विजय पुरम,
डीन स्ट्रीट, रवीन्द्र बंगला विद्यालय–वीआईपी रोड के सामने, जंगलीघाट, श्री विजय पुरम – 744103, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह। फोन : 9933293583
ईमेल : cruhportblair@gmail.com

प्रभारी अधिकारी

शपथ पत्र

मैं, अरन्या राजू सुपुत्र स्वर्गीय गोविन्द राजू निवासी अय्यनार स्टोर, मजार पहाड़, श्री विजय पुरम तहसील के अंतर्गत, दक्षिण अण्डमान जिला, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एतद्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ :

1. कि मैं भारतीय नागरिक हूँ और उपरोक्त पते पर रहता हूँ।
2. कि मेरे माताजी का वास्तविक और सही नाम पुष्पांजली राजू है जो कि मेरे जन्म प्रमाण पत्र और अन्य सभी अभिलेखों में दर्ज है, जो कि मेरे पास उपलब्ध है।
3. कि मेरे दसवीं उत्तीर्ण सीबीएसई शैक्षिक दस्तावेज (क्रम संख्या एसएसई/2002 320737) और मेरे भारतीय पासपोर्ट संख्या G5144644 में मेरे माताजी का नाम गलती से उनके वास्तविक नाम पुष्पांजली राजू के स्थान पर पुष्पांजलि राजू प्रविष्टि किया गया है।
4. कि उपरोक्त नाम पुष्पांजलि राजू और पुष्पांजली राजू एक ही समान व्यक्ति हैं जो मेरी माता से संबंधित है।
5. कि मैं यह शपथ पत्र मेरे माताजी के वास्तविक और सही नाम को घोषित करने के उद्देश्य से कर रहा हूँ अब से सभी सरकारी और गैर–सरकारी उद्देश्यों के लिए मेरा नाम अरन्या राजू, सुपुत्र पुष्पांजली राजू के रूप में जाना जाएगा।

कि मेरे द्वारा दिए गए उपरोक्त उल्लिखित कथन मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है।

स्थान : श्री विजय पुरम — अभिसाक्षी

शपथ पत्र

मैं, पुष्पांजली राजू पत्नी स्वर्गीय गोविन्द राजू निवासी अय्यनार स्टोर, मजार पहाड़, श्री विजय पुरम तहसील के अंतर्गत, दक्षिण अण्डमान जिला, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एतद्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और घोषणा करती हूँ :

1. कि मैं भारतीय नागरिक हूँ और उपरोक्त पते पर रहती हूँ।
2. कि मेरे पिताजी का वास्तविक और सही नाम स्वर्गीय गोविन्द राम राव है जो कि मेरे पैन कार्ड (संख्या CGKPR8911D) में दर्ज है और मेरे पति का वास्तविक और सही नाम स्वर्गीय गोविन्द राजू है जो मेरे आधार कार्ड (संख्या 7571 6609 1410) और अन्य सभी अभिलेखों में दर्ज है, जो कि मेरे पास उपलब्ध है।
3. कि मेरे पास भारतीय पासपोर्ट संख्या A3372116 है और उक्त पासपोर्ट में मेरे पिताजी का नाम गलती से उनके वास्तविक नाम स्वर्गीय गोविन्द राम राव के स्थान पर गोविन्द राव प्रविष्टि किया गया है और इसी तरह मेरे पति का नाम उक्त पासपोर्ट में गलती से उनके वास्तविक नाम स्वर्गीय गोविन्द राजू के स्थान पर गोविन्दा राजू प्रविष्टि किया गया है।
4. कि उपरोक्त नामों गोविन्द राव और स्वर्गीय गोविन्द राम राव एक ही समान व्यक्ति है जो मेरे पिता से संबंधित है और नाम गोविन्दा राजू और स्वर्गीय गोविन्द राजू एक ही समान व्यक्ति है जो मेरे पति से संबंधित है।
5. कि मैं यह शपथ पत्र मेरे पिताजी और पति के वास्तविक और सही नाम को घोषित करने के उद्देश्य से कर रही हूँ अब से सभी सरकारी और गैर–सरकारी उद्देश्यों के लिए मेरा नाम पुष्पांजली राजू पत्नी स्वर्गीय गोविन्द राजू के रूप में जाना जाएगा।

कि मेरे द्वारा दिए गए उपरोक्त उल्लिखित कथन मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है।

स्थान : श्री विजय पुरम — अभिसाक्षी

शपथ पत्र

मैं, जयसूर्या, पुत्र श्री आर. सथियेन्द्रन, निवासी भातू बस्ती ग्राम, तहसील श्री विजय पुरम, जिला दक्षिण अंडमान, विधिवत शपथ लेकर निम्नलिखित कथन करता/करती हूँ :

1. कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ।
2. कि मेरे जन्म प्रमाण पत्र में मेरी माता एवं पिता का नाम त्रुटिपूर्ण रूप से अंकित है।
3. कि मेरे जन्म प्रमाण पत्र में मेरी माता का नाम 'गोमाथी' अंकित है, जबकि सही नाम 'एस. गोमाथी' है।
4. कि मेरे जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पिता का नाम 'सथियेन्द्रन' अंकित है, जबकि सही नाम 'आर. सथियेन्द्रन' है।
5. कि मेरी माता का सही एवं वास्तविक नाम 'एस. गोमाथी' है।
6. कि 'गोमाथी' एवं 'एस. गोमाथी' दोनों एक ही व्यक्ति के नाम हैं।
7. कि मेरे पिता का सही एवं वास्तविक नाम 'आर. सथियेन्द्रन' है।
8. कि 'सथियेन्द्रन' एवं 'आर. सथियेन्द्रन' दोनों एक ही व्यक्ति के नाम हैं।
9. कि मैं यह शपथ पत्र इस उद्देश्य से प्रस्तुत कर रहा हूँ कि मेरी माता का सही नाम 'एस. गोमाथी' तथा मेरे पिता का सही नाम 'आर. सथियेन्द्रन' घोषित किया जा सके, और आज की तिथि से आगे सभी कार्यों में इन्हीं नामों का प्रयोग किया जाएगा।

मैं यह भी घोषित करता/करती हूँ कि उपरोक्त कथन मेरे ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं। — शपथकर्ता

भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, श्री विजय पुरम – 744 105

ई–निविदा सूचना

निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–के.द्वी.कृ.अनु.सं, श्री विजय पुरम द्वारा संस्थान के आधिकारिक प्रयोजनों के लिए विभिन्न श्रेणियों के वाहन उपलब्ध करवाये जाने हेतु पात्र, पंजीकृत, सुस्थापित और प्रतिष्ठित परिवहन सेवा प्रदाताओं से ई–निविदा आंमत्रित किये जा रहे है।

निविदा के नियम और शर्तो सहित निविदा दस्तावेज सीपीपीपी http://eprocure.gov.in/eprocure/app पोर्टल पर निविदा आई डी संख्या 2026_DARE_905721_1 एवं संस्थान के वेबसाइट http://ciari.res.in पर उपलब्ध है। इच्छुक परिवहन सेवा प्रदाता निविदा दस्तावेज में दिए गए नियमों और शर्तों के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से निविदा जमा करें।

प्रशासनिक अधिकारी

सरकार ने 15 बड़े बैंकों को 2029 तक सोना–चांदी आयात की दी मंजूरी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को 15 बड़े बैंकों को 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2029 तक सोना और चांदी आयात करने की अनुमति दे दी है। इस सूची में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। वहीं, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और स्बरबैंक को इस अवधि में केवल सोना आयात करने की अनुमति दी गई है। यह अधिसूचना डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (डीजीएफटी) द्वारा जारी की गई है।

सरकार का यह कदम बुलियन (सोना–चांदी) के आयात को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। केवल अधिकृत बैंकों के जरिए आयात करने से लेनदेन की निगरानी आसान होगी और अनियमितताओं पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा अधिकृत बैंकों में एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, डॉयचे बैंक, फेडरल बैंक, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यस बैंक समेत कई अन्य बैंक शामिल हैं, जिन्हें सोना और चांदी, दोनों आयात करने की अनुमति दी गई है।

इस बीच, मार्च 2026 में भारत का सोने का आयात घटकर 9 महीने के निचले स्तर 3.1 अरब डॉलर पर आ गया। मात्रा के हिसाब से यह करीब 20–25 टन रहा, जो पिछले 12 महीनों के औसत 62 टन से काफी कम है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार, इसकी वजह मांग में कमी और मध्य पूर्व से सप्लाई में बाधाएं हैं, जो भारत के लिए एक अहम ट्रांजिट हब है।

अप्रैल में सोने की कीमतों में कुछ सुधार देखने को मिला है। वहीं, इंपोर्ट में कमी और सप्लाई की दिक्कतों के कारण घरेलू बाजार में छूट (डिस्काउंट) भी कम हुई है। सूचीबद्ध ज्वैलरी कंपनियों ने 2026 की पहली तिमाही में अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें शादी के सीजन, बढ़े हुए खर्च और बिजनेस विस्तार का योगदान रहा।

इसके अलावा, भारत में गोल्ड ईटीएफ में निवेश लगातार 11वें महीने भी जारी रहा। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, ईटीएफ में मार्च 2026 में करीब 22.7 अरब रुपए (244 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का शुद्ध निवेश हुआ। बयान में कहा गया है कि गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों की रुचि बनी हुई है और खातों या फोलियो की संख्या में वृद्धि से पता चलता है कि यह रुचि धीमी गति से ही सही, लेकिन बढ़ रही है।

ईरान से भारत ने निकाले 2361 लोग : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 अप्रैल।

भारत ने पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक ईरान से अपने एवं मित्र देशों के 2361 नागरिकों को आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते से सुरक्षित निकाला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में कहा, संघर्ष के प्रकोप के बाद से हमने 2,361 नागरिकों को ईरान से सुरक्षित रूप से निकालने में मदद की है। इनमें से 2,060 आर्मेनिया के माध्यम से और 301 अज़रबैजान के माध्यम से आए हैं। इन 2,361 लोगों में 1,041 भारतीय छात्रों के साथ–साथ तीन विदेशी भी शामिल हैं। एक बांग्लादेश से, एक श्रीलंका से और एक गुयाना से है। उन्होंने कहा कि ईरान में अभी भी 6000 से 7000 भारतीय मौजूद हैं। विदेश मंत्रालय में एक समर्पित विशेष नियंत्रण कक्ष परिचालन कर रहा है और हमारे मिशनों के साथ समन्वय में काम कर रहा है।

धोलेरा में बनेगा भारत का पहला चिप प्लांट, केंद्र ने एसईजेड को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल।

केंद्र सरकार ने गुजरात के धोलेरा में भारत का पहला चिप निर्माण संयंत्र स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने टाटा सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) को अधिसूचित कर मंजूरी दे दी है। इस संबंध में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, यह एसईजेड करीब 66.166 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इस परियोजना से लगभग 21,000 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। यह संयंत्र इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और आईटी/आईटीईएस सेवाओं को समर्थन देगा और इसमें आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ आसान लॉजिस्टिक्स व्यवस्था भी विकसित की जाएगी।

यह परियोजना देश का पहला सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन (चिप निर्माण) प्लांट होगी, जो भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण के क्षेत्र में नई पहचान दिला सकती है। सरकार ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए एसईजेड नियमों में कई अहम बदलाव किए हैं। 3 जून 2025 को जारी अधिसूचना के तहत न्यूनतम भूमि आवश्यकता 50 हेक्टेयर से घटाकर 10 हेक्टेयर कर दी गई है। इन सुधारों में जमीन उपयोग में लचीलापन, फ्री सप्लाई को नेट फॉरेन एक्सचेंज में शामिल करना और घरेलू बाजार (डीटीए) में बिक्री की अनुमति जैसे प्रावधान शामिल हैं। इनका उद्देश्य निवेश आकर्षित करना, नवाचार को बढ़ावा देना और कारोबार को आसान बनाना है।

सुधारों के बाद कई बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। इनमें माइक्रोन सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का साणंद में सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्टिंग प्लांट शामिल है, जिसमें करीब 13,000 करोड़ रुपए का निवेश होगा।

लगातार कितने घंटे चला सकते हैं इंडक्शन चूल्हा? नुकसान से पहले जान लें सही तरीका

नई दिल्ली, 17 अप्रैल।

आज के समय में इंडक्शन चूल्हा हर घर की जरूरत बन चुका है, लेकिन इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है. कई लोग इसे लगातार घंटों तक चलाते हैं, जिससे मशीन पर दबाव पड़ सकता है. अगर आप बिना ब्रेक के इंडक्शन चलाते हैं, तो इससे ओवरहीटिंग और खराबी का खतरा बढ़ जाता है. इसलिए यह जानना जरूरी है कि इसे कितनी देर तक सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है.

इंडक्शन चूल्हे को आमतौर पर लगातार 30 मिनट से 2 घंटे तक आराम से चलाया जा सकता है. यह समय अलग अलग ब्रांड और मॉडल पर निर्भर करता है, लेकिन ज्यादातर डिवाइस इसी रेंज में सुरक्षित माने जाते हैं. अगर आप इसे इससे ज्यादा समय तक चलाते हैं, तो इसमें लगे हीटिंग कॉइल और इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स पर दबाव बढ़ने लगता है. इससे मशीन ओवरहीट हो सकती है और ऑटोमेटिक बंद भी हो सकती है. इसलिए बेहतर यही है कि लंबे समय तक खाना बनाते वक्त बीच बीच में 10 से 15 मिनट का ब्रेक दिया जाए, जिससे डिवाइस ठंडा हो सके और उसकी परफॉर्मेंस बनी रहे.

इसके अलावा इंडक्शन चूल्हे के ऊपर भी लिखा होता है कि इसे लगातार कितनी देर से ज्यादा नहीं चलाना चाहिए. इंडक्शन चूल्हे को यदि आप लगातार चला रहे हैं तो इसे तुरंत नहीं बंद करना चाहिए, क्योंकि इसमें एक फैन लगा होता है जो इसे ठंडा करने का काम करता है और यदि आप इसे स्विच से बंद कर देंगे तो यह जल्दी ठंडा नहीं होगा.

इंडक्शन चूल्हे में सबसे बड़ा खतरा ओवरहीटिंग का होता है, जो गलत इस्तेमाल से बढ़ जाता है. अगर आप इसे हाई पावर पर लगातार चलाते हैं, तो यह जल्दी गर्म हो जाता है. ओवरहीटिंग से बचने के लिए हमेशा जरूरत के हिसाब से ही तापमान सेट करें. साथ ही ध्यान रखें कि चूल्हे के नीचे और आसपास हवा का सही प्रवाह बना रहे. अगर इंडक्शन बहुत ज्यादा गर्म हो जाए, तो उसे तुरंत बंद कर दें और कुछ समय के लिए ठंडा होने दें. इससे मशीन की लाइफ लंबी बनी रहती है.

इंडक्शन चूल्हा सही तरीके से काम करने के लिए खास तरह के बर्तनों की जरूरत होती है. अगर आप गलत बर्तन इस्तेमाल करते हैं, तो इससे मशीन पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है. हमेशा लैट बेस वाले और इंडक्शन कम्पैटिबल बर्तन ही इस्तेमाल करें. इससे हीट सही तरीके से ट्रांसफर होती है और चूल्हा कम मेहनत करता है. गलत बर्तन इस्तेमाल करने से न सिर्फ खाना ठीक से नहीं बनता, बल्कि इंडक्शन की परफॉर्मेंस भी प्रभावित होती है.

इंडक्शन चूल्हा एक हाई पावर डिवाइस है, इसलिए इसे सही वोल्टेज पर चलाना बेहद जरूरी है. अगर बिजली का वोल्टेज बार–बार ऊपर नीचे होता है, तो इससे मशीन को नुकसान पहुंच सकता है. इसके लिए स्टेबल पावर सप्लाई का इस्तेमाल करना बेहतर होता है. साथ ही एक्सटेंशन बोर्ड की जगह डायरेक्ट प्लग का उपयोग करें. इससे न सिर्फ इंडक्शन सुरक्षित रहता है, बल्कि दुर्घटना का खतरा भी कम हो जाता है.

अगर आप चाहते हैं कि आपका इंडक्शन चूल्हा लंबे समय तक बिना खराब हुए चले, तो कुछ छोटी–छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है. इसे साफ सुथरा रखें, इस्तेमाल के बाद ठंडा होने दें और जरूरत से ज्यादा लोड न डालें. साथ ही समय–समय पर इसकी सफाई और जांच करते रहें. इन आसान तरीकों को अपनाकर आप अपने इंडक्शन चूल्हे की लाइफ बढ़ा सकते हैं और बिना किसी परेशानी के इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

एफएसएसएआई का सख्त आदेश: फलों को पकाने में कैल्शियम कार्बाइड पूरी तरह बैन

नई दिल्ली, 17 अप्रैल।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने देशभर में फलों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले अवैध रसायनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि आम, केला और पपीता जैसे फलों को पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है।

FSSAI ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों और क्षेत्रीय निदेशकों को फल मंडियों, गोदामों और भंडारण स्थलों पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। खासतौर पर 'मसाला' नाम से प्रचलित कैल्शियम कार्बाइड के इस्तेमाल पर नजर रखने को कहा गया है, जिसका उपयोग व्यापारी फलों को जल्दी पकाने के लिए करते हैं।

प्राधिकरण ने कहा कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (प्रतिबंध और बिक्री पर रोक) विनियम, 2011 के तहत कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग पूरी तरह गैरकानूनी है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है और इससे निगलने में दिक्कत, उल्टी, त्वचा पर घाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

इसके अलावा, एफएसएसएआई ने एथिफोन के गलत इस्तेमाल पर भी चिंता जताई है। हालांकि एथिलीन गैस को सुरक्षित तरीके से सीमित उपयोग की अनुमति है, लेकिन फलों को सीधे रासायनिक घोल में डुबोना नियमों का उल्लंघन है। नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए FSSAI ने थोक बाजारों और वितरण केंद्रों में विशेष जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। यदि किसी स्थान पर प्रतिबंधित रसायन पाए जाते हैं, तो उसे तुरंत कानूनी कार्रवाई का आधार माना जाएगा।

इतिहास के पन्नों में 18 अप्रैल

नई दिल्ली, 17 अप्रैल।

आज ही के दिन, वर्ष 1955 में महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का निधन हुआ था। आइंस्टीन को आधुनिक भौतिकी का जनक माना जाता है। उनके सिद्धांतों ने विज्ञान की दुनिया में क्रांतिकारी बदलाव लाए और ब्रह्मांड को समझने के तरीके को नया आयाम दिया।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1612 – शाहजहां ने मुमताज से निकाह किया।

1902 – अपराधियों की पहचान के लिए डेनमार्क ने सबसे पहले फिंगरप्रिंट दर्ज करने शुरू किए।

1917 – गांधी जी ने अपने सत्याग्रह आंदोलन की शुरुआत के लिए बिहार के चंपारण का चयन किया।

1948 – हेग, नीदरलैंड्स में इंटरनेशनल कोर्ट आफ जस्टिस की स्थापना।

1950 – विनोबा भावे ने आंध्र प्रदेश के तेलंगाना में पंचमपल्ली गांव की 80 एकड़ भूमि के साथ भूदान आंदोलन शुरू किया।

1968 – अमेरिका ने नेवादा परीक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।

1971 – भारत का पहला जंबो जेट बोइंग 747 बम्बई पहुंचा। इसे सम्राट अशोक नाम दिया गया।

1980 – जिम्बाब्वे ने ब्रिटेन से आजादी का ऐलान किया।

1991 – केरल को देश का पहला पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया गया।

1992 – रंगभेद के कारण प्रतिबंधित दक्षिण अफ्रीका ने 1970 के बाद पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेला।

1994 – वेस्टइंडीज के बल्लेबाज ब्रायन लारा ने 375 रन बनाकर टेस्ट मैच की एक पारी में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकार्ड बनाया।

1996 – काहिरा में अज्ञात हमलावरों ने ग्रीस के 17 टूरिस्टों और उनके स्थानीय गाइड को गोलियों से भूना।

2001 – भारतीय सीमा में घुस आई बांग्लादेश की सेना की गोलीबारी से भारत के 16 जवान शहीद।

2002 – 1973 से इटली में निवास कर रहे अफ़ग़ानिस्तान के पूर्व शासक मोहम्मद जहीर शाह काबुल लौटे।

तात्या टोपे: गोरिल्ला युद्ध और कुशल रणनीति से अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने वाले प्रथम स्वाधीनता संग्राम के महानायक

नई दिल्ली, 17 अप्रैल।

वर्ष 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के महान नायक तात्या टोपे (रामचंद्र पांडुरंग टोपे) को 18 अप्रैल, 1859 को ब्रिटिश हुकूमत ने फांसी दे दी थी। मात्र 45 वर्ष की आयु में मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले तात्या टोपे ने अपनी कुशल सैन्य रणनीति और अदम्य साहस से अंग्रेजी सेना को कई बार घुटने टेकने पर मजबूर किया था।

शिवपुरी के जंगलों में विश्वासघात के कारण बंदी बनाए गए इस महान क्रांतिकारी को ब्रिटिश सैन्य अदालत ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद ही मृत्युदंड सुनाया था। तात्या टोपे का जन्म वर्ष 1814 में महाराष्ट्र के नासिक जिले के येवला में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। पेशवा बाजीराव द्वितीय के दरबार से जुड़े अपने पिता पांडुरंग राव के साथ वे नाना साहब के निकट सहयोगी बने। 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के दौरान उन्होंने कानपुर के विद्रोह का नेतृत्व किया और बाद में ग्वालियर, झांसी व कालपी के युद्ध मैदानों में अपनी अद्वितीय छापामार रणनीति से ब्रिटिश सेना के दांत खट्टे कर दिए।

दुर्भाग्यवश, अपने ही सहयोगी मान सिंह के विश्वासघात के कारण 7 अप्रैल 1859 को ब्रिटिश सेना ने उन्हें सोते समय बंदी बना लिया। शिवपुरी में उनके विरुद्ध तेजी से मुकदमा चलाया गया, जहां तात्या टोपे ने निर्भीकता से कहा था, 'मैं अंग्रेजों का गुलाम नहीं हूँ; मैंने जो कुछ भी किया, वह अपनी मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए किया।' अंततः, 18 अप्रैल 1859 की सुबह भारत मां के इस वीर सपूत को फांसी दे दी गई।

तात्या टोपे का बलिदान 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की अंतिम लौ था। ब्रिटिश अखबारों ने भी उनके साहस की तारीफ की, जबकि भारतीय जनमानस में वे अमर हो गए। शिवपुरी में हर वर्ष उनकी याद में शहीद मेला लगता है।

तात्या टोपे 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के सबसे कुशल सैन्य नेताओं में से एक थे। औपचारिक सैन्य प्रशिक्षण के बिना भी वे गुरिल्ला युद्ध (छापामार युद्ध) की कला में माहिर थे। पेशवाओं की परंपरा से प्रेरित उनकी रणनीति ने ब्रिटिश सेना को लगभग दो वर्ष तक चैन की सांस नहीं लेने दी थी।

तात्या टोपे और झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का गठबंधन प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का सबसे प्रेरणादायक और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण सहयोग था। दोनों योद्धाओं के एक–दूसरे पर विश्वास, साहस और रणनीति ने ब्रिटिश सेना को मध्य भारत में सबसे बड़ी चुनौती दी थी।

पोषण अभियानः 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों और 9 करोड़ लाभार्थियों की संभव हुई डिजिटल निगरानी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल।

केन्द्र सरकार ने बताया कि अब मिशन के तहत पोषण ट्रैकर एप्लिकेशन जैसे डिजिटल टूल्स की मदद से देश भर के 14 लाख से ज्यादा आंगनवाड़ी केंद्रों और करीब 9 करोड़ लाभार्थियों की लगभग रियल–टाइम निगरानी संभव हो पाई है। हाल ही में एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि पोषण अभियान के 8 साल पूरे होने पर, इसके 'जन आंदोलन' मॉडल ने पूरे देश में लोगों को जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। पोषण माह और पोषण पखवाड़ा जैसे अभियानों के जरिए अब तक 150 करोड़ से ज्यादा गतिविधियां आयोजित की जा चुकी हैं।

बयान में कहा गया कि यह मिशन पोषण से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए तकनीक, बेहतर तालमेल (कन्वर्जेंस) और समुदाय की भागीदारी पर बढ़ते फोकस को दिखाता है। कार्यक्रम के विकास से यह स्पष्ट हुआ है कि अलग–अलग क्षेत्रों के बीच बेहतर समन्वय, मजबूत सेवा वितरण और लोगों की आदतों में बदलाव लाने के निरंतर प्रयास, पोषण सुधार के लिए बेहद जरूरी हैं।

'मिशन पोषण 2.0' में बदलाव के साथ सेवा की गुणवत्ता सुधारने, बच्चों की शुरुआती देखभाल बढ़ाने और अंतिम स्तर तक सेवाएं पहुंचाने पर खास ध्यान दिया गया है। सरकार ने बताया कि इस मिशन के तहत पोषण को स्वास्थ्य, शिक्षा, शुरुआती बाल देखभाल और सामुदायिक भागीदारी से जोड़ा गया है ताकि कमजोर वर्गों को समग्र सहायता मिल सके।

8 मार्च 2018 को शुरू हुआ 'पोषण अभियान' भारत के दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव लेकर आया। पहले जहां पोषण को सिर्फ कल्याण योजना माना जाता था, अब इसे मानव संसाधन विकास, सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) और दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि से जोड़ा जा रहा है। इस मिशन के तहत 26 से ज्यादा मंत्रालयों और विभागों को एक साथ

लाकर पोषण सुधार के लिए एकीकृत ढांचा तैयार किया गया है, जिसमें स्वच्छता, शिक्षा, पानी, महिला सशक्तिकरण और आय जैसे पहलुओं पर एक साथ काम किया जा रहा है।

सबसे अहम बात यह है कि पोषण अभियान को 'लाइफसाइकिल' और 'प्रिवेंटिव' यानी रोकथाम के नजरिए से तैयार किया गया है। इसका फोकस कुपोषण होने के बाद इलाज पर नहीं, बल्कि पहले से ही उसे रोकने पर है। यह मिशन खास तौर पर बच्चे के जीवन के पहले 1,000 दिनों (गर्भावस्था से लेकर 2 साल की उम्र तक) पर ध्यान देता है, जो शारीरिक विकास, दिमागी विकास और आगे की सेहत के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं।

इसके अलावा, आंगनवाड़ी केंद्रों, सरकारी स्कूलों और ग्राम पंचायतों में 'पोषण वाटिका' यानी न्यूट्री–गार्डन भी बनाए जा रहे हैं, जिससे लोगों को सस्ती और आसानी से उपलब्ध पौष्टिक फल, सब्जियां और औषधीय पौधे मिल सकें।

गाराचरामा में सफाई कर्मचारियों के लिए चला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

श्री विजय पुरम, 17 अप्रैल।

अण्डमान तथा निकोबार एड्स नियंत्रण सोसाइटी (एएनएसीएस) ने गाराचरामा प्रधान कार्यालय के सामुदायिक भवन में एकीकृत स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। शिविर का आयोजन सफाई कर्मचारियों के लाभ के लिए किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन अण्डमान तथा निकोबार

एड्स नियंत्रण सोसाइटी के परियोजना निदेशक डॉ. सुब्रत साहा के नेतृत्व में किया गया था। कार्यक्रम में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने और प्रतिभागियों को आवश्यक चिकित्सा जांच सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस पहल से कुल 25 सफाई कर्मचारियों को लाभ हुआ।

शिविर के दौरान, प्रतिभागियों को एचआईवी, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, रक्तचाप (बीपी), रक्त शर्करा के स्तर और सिफलिस सहित कई स्वास्थ्य स्थितियों के लिए जांच की गई थी। अभियान का उद्देश्य बीमारियों का शीघ्र पता लगाना, रोकथाम और जागरूकता था। एएनएसीएस ने जागरूकता सत्र भी आयोजित किए, जिसमें नियमित स्वास्थ्य जांच, सुरक्षित प्रथाओं और समय पर उपचार के महत्व पर ज़ोर दिया गया और प्रतिभागियों को अपने दैनिक जीवन में निवारक उपाय अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अण्डमान तथा निकोबार एड्स नियंत्रण सोसाइटी अन्य पंचायतों और वार्डों में कर्मचारियों को लाभ पहुंचाने के लिए ऐसे ही स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करना जारी रखेगी।

विज्ञान केंद्र में विशेष कार्यक्रम आज से

श्री विजय पुरम, 17 अप्रैल।

यहां के गुडविल एस्टेट, कार्बाइन्स कोव रोड स्थित विज्ञान केन्द्र द्वारा 18 और 19 अप्रैल, 2026 को आम लोगों के लिए शाम के समय विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार स्काई शो शाम 5:30 बजे से शाम 7 बजे तक, जुरासिक पार्क (लाइट एंड साउंड) शो शाम 6:15 बजे तथा 3डी शो शाम 5:30 बजे और शाम 6:15 बजे निर्धारित है। स्काई शो के दौरान दर्शकों को श्री विजय पुरम के आसमान का स्काई मैप दिया जाएगा, जिससे वे ग्रहों और अन्य खगोलीय पिंडों को पहचान सकेंगे। साथ ही शक्तिशाली दूरबीन से बृहस्पति ग्रह और उसके चार प्रमुख चंद्रमा–आयो, यूरोपा, गैनिमीड और कैलिस्टो को देखने का रोमांचक अनुभव भी मिलेगा।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार जुरासिक पार्क (लाइट एंड साउंड) शो में दर्शकों को प्रकाश और ध्वनि प्रभाव के माध्यम से पृथ्वी पर जीवन के विभिन्न युगों का विकास दिखाया जाएगा। स्काई शो का टिकट शुल्क 10 रुपये प्रति व्यक्ति है, जबकि 3डी शो और जुरासिक पार्क शो के लिए 20 रुपये प्रति व्यक्ति प्रति कार्यक्रम शुल्क निर्धारित किया गया है।

विश्व विरासत दिवसः अपनी धरोहर को सुरक्षित रखना क्यों है जरूरी, जानिए इस दिन का महत्व

नई दिल्ली, 17 अप्रैल।

18 अप्रैल सिर्फ एक तारीख नहीं है, बल्कि उससे कहीं ज्यादा है। इसी दिन हर साल विश्व विरासत दिवस मनाया जाता है, ताकि लोग अपनी जड़ों से जुड़ें और समझें कि हमारे आसपास मौजूद धरोहरें कितनी अनमोल हैं। ये धरोहरें सिर्फ पुरानी इमारतें नहीं हैं, बल्कि हमारे पूर्वजों की मेहनत, कला, परंपरा और सोच का जीवंत उदाहरण हैं।

विश्व विरासत दिवस की शुरुआत 1982 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स (आईकॉमोस) ने की थी। बाद में 1983 में यूनेस्को ने इसे आधिकारिक मान्यता दी, तब से लेकर आज तक यह दिन दुनियाभर में लोगों को अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति जागरूक करने के लिए मनाया जाता है।

विश्व धरोहर का मतलब उन खास जगहों से है जिन्हें यूनेस्को ने उनके अनोखे सांस्कृतिक या प्राकृतिक महत्व के कारण चुना है। ये स्थल पूरी मानवता की साझा संपत्ति माने जाते हैं। भारत जैसे देश में तो धरोहरों की कोई कमी ही नहीं है। ताज महल की खूबसूरती, अजंता और एलोरा की गुफाओं की कला, खजुराहो के मंदिरों की नक्काशी और कुतुबमीनार की भव्यता ये सब हमारी समृद्ध विरासत की पहचान हैं।

आज के समय में ये धरोहरें कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। तेजी से बढ़ता शहरीकरण, प्रदूषण, लापरवाही और प्राकृतिक आपदाएं इन ऐतिहासिक स्थलों को नुकसान पहुंचा रही हैं। कई बार लोग घूमने जाते हैं और दीवारों पर अपना नाम लिख देते हैं या कूड़ा–कचरा फैला देते हैं, जिससे इन जगहों की सुंदरता और महत्व दोनों कम हो जाते हैं। यह छोटी–छोटी लापरवाहियां हमारी बड़ी धरोहर को नुकसान पहुंचाती हैं।

विश्व विरासत दिवस हमें यह समझाने का काम

करता है कि इन धरोहरों को बचाना सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हम सभी की है। अगर हम सच में अपनी संस्कृति से प्यार करते हैं, तो हमें इन स्थलों की देखभाल करनी होगी। ऐतिहासिक जगहों पर साफ–सफाई रखना, नियमों का पालन करना और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करना।

हर साल इस दिन को एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। 2026 की थीम है "संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया।" इसका सीधा सा मतलब है कि जब कोई संकट आता है जैसे युद्ध या प्राकृतिक आपदा, तो हमारी धरोहरों को कैसे सुरक्षित रखा जाए। यह थीम हमें पहले से तैयार रहने और सही समय पर सही कदम उठाने के बारे में बताती है।

स्कूलों, कॉलेजों और कई संस्थानों में इस दिन पर अलग–अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जैसे निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता, प्रदर्शनी और जागरूकता अभियान। इन कार्यक्रमों के जरिए बच्चों और युवाओं को अपनी विरासत के महत्व के बारे में बताया जाता है ताकि वे भविष्य में इन्हें बचाने में अपनी भूमिका निभा सकें।

'ऑपरेशन सिंदूर' से सीख, ड्रोन खतरों से निपटने के लिए रणनीति मजबूत

नई दिल्ली, 17 अप्रैल।

भारतीय सेना लगातार आधुनिकीकरण की ओर बढ़ रही है। खासतौर पर आधुनिक युद्धों की तकनीक व तौर तरीकों पर काम किया जा रहा है। यही कारण है कि युद्धक ड्रोन व मानव रहित हवाई प्रणालियां लगातार भारतीय सेना में शामिल की जा रही हैं। भारतीय सेना के मुताबिक, 'ऑपरेशन सिंदूर' से मिले सबक और वैश्विक स्तर पर मौजूदा परिचालन स्थितियों को ध्यान में रखते हुए मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) और काउंटर मानव रहित हवाई प्रणालियों (सी–यूएएस) के उपयोग व परिचालन क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

नई दिल्ली में सम्पन्न हुए आर्मी कमांडर्स कांफ्रेंस के दौरान वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व ने इस पर चर्चा की। द्विवार्षिक आर्मी कमांडर्स कांफ्रेंस (एसीसी) 13 से 16 अप्रैल तक आयोजित किया गया था। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने भाग लिया। कैबिनेट सचिव, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, रक्षा सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसबीए) अध्यक्ष के अलावा नौसेना प्रमुख सहित सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने कमांडर्स को संबोधित किया।

वहीं भारतीय सेना ने 'भविष्य के लिए तैयार बल' के रूप में विकसित होने की परिकल्पना के अनुरूप वर्ष 2026 को नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता का वर्ष घोषित किया है। इस सम्मेलन में सेना के आधुनिकीकरण व युद्ध अभियानों में प्रौद्योगिकी के समावेश पर मंथन किया गया। सेना की सैद्धांतिक और प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं के साथ–साथ ऑपरेशनल तत्परता बढ़ाने पर भी विचार किया गया। इसके अलावा उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता से संबंधित कई मुद्दों पर कमांडर्स के साथ चर्चा की गई।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक बदलते भू–राजनीतिक परिदृश्य और उभरते वैश्विक, क्षेत्रीय और आंतरिक सुरक्षा संबंधी पहलुओं पर इस सम्मेलन में बात की गई। वैश्विक संघर्षों से प्राप्त सबकों का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए,

वक्ताओं ने देश की रणनीतिक और सुरक्षा हितों की गारंटीकृत सुरक्षा के लिए कठोर शक्ति की आवश्यकता पर बल दिया।

विश्व विरासत दिवस पर केंद्रित कार्यशालाओं का आयोजन

नई दिल्ली, 17 अप्रैल।

भारतीय विरासत संस्थान (आईआईएच) ने शुक्रवार को यहां विश्व विरासत दिवस के अवसर पर एक सप्ताह तक चलने वाले विशेष समारोह का आयोजन शुरू किया। यह आयोजन 17–22 अप्रैल तक चलेगा। संस्थान के अनुसार इस समारोह का उद्देश्य मानव विरासत के संरक्षण के वैश्विक संकल्प को सुदृढ़ करना है। इस बीच वंचित समुदायों के लिए 'वस्त्र विरासत' पर केंद्रित कार्यशालाओं का आयोजन होगा। समारोह के दौरान व्याख्यान, कार्यशालाएं और ऑनलाइन संवाद आयोजित किए जाएंगे। शनिवार को (18 अप्रैल) संस्थान के सभागार में दो महत्वपूर्ण सत्र आयोजित होंगे। सुबह 11 बजे कथक नृत्यांगना डॉ. शोवना नारायण 'कथक गति में विरासतः समय और परंपरा की कथाएं' विषय पर अपनी प्रस्तुति और विचार साझा करेंगी। इसके बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. संजय कुमार मंजुल 'सिंधु–सरस्वती संस्कृति के नवीन साक्ष्यः राखीगढ़ी में उत्खनन' विषय के माध्यम से इतिहास के अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डालेंगे।

भारतीय हज यात्रियों के लिए कई आधुनिक व्यवस्थाएं, स्मार्ट वॉच, लोकेशन ट्रेस समेत अन्य सुविधाएं शामिल

नई दिल्ली, 17 अप्रैल।

भारत से हज यात्रा 18 अप्रैल को शुरू होने वाली है। इसमें यात्रियों का पहला बैच देश भर के अलग–अलग एम्बार्केशन पॉइंट से सऊदी अरब के लिए रवाना होगा। विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, कुल 1,75,025 यात्रियों के हज की इस पवित्र यात्रा पर जाने की उम्मीद है। यात्रियों की सुविधाओं और अनुभव को बेहतर बनाने के लिए स्मार्ट वॉच, ऐप से निगरानी समेत अन्य कई कदम उठाए गए हैं।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने सभी हज यात्रियों को शुभकामनाएं दी हैं और एक आसान, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव सुनिश्चित करने के लिए सरकार का वादा दोहराया है। उन्होंने हज यात्रा पर जाने वाले सभी 1,75,025 यात्रियों को शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने बताया कि मंत्रालय ने इस साल हज यात्रियों के लिए सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए कई नई पहल की हैं। हज के लिए नोडल मिनिस्ट्री के तौर पर, किरेन रिजिजू ने हज कमेटी ऑफ इंडिया, दूसरे केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारों और सऊदी अधिकारियों के साथ मिलकर पूरे इंतजाम किए हैं। इन कोशिशों का मकसद हज यात्रियों के लिए आसान लॉजिस्टिक्स और बेहतर ऑन–ग्राउंड सुविधा सुनिश्चित करना है।

विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, हज 2026 के लिए शुरू की गई खास नई पहलों में हज सुविधा ऐप के जरिए बेहतर डिजिटल सुविधा, गुम हुए यात्रियों को ढूंढने और मदद के लिए हज सुविधा स्मार्ट रिस्टबैंड लगाना और पहली बार लगभग 20 दिनों का कम समय का हज ऑप्शन शुरू करना शामिल है, जिससे यात्रियों को ज्यादा सुविधा मिलेगी।

भारत सरकार ने हर यात्री को लगभग 6,25,000 रुपए का बढ़ा हुआ इंश्योरेंस कवरेज भी सुनिश्चित किया है, जिससे यात्रा के दौरान वित्तीय और स्वास्थ्य सुरक्षा मजबूत

होगी। इसके अलावा, लगभग 60,000 यात्री मक्का और मदीना के बीच हाई–स्पीड ट्रेन कनेक्टिविटी का फायदा उठाएंगे, जिससे शहर के बीच तेज, सुरक्षित और ज्यादा आरामदायक यात्रा सुनिश्चित होगी।

इसके अलावा, रियल–टाइम मॉनिटरिंग और शिकायत सुलझाने के तरीकों को मजबूत करने, मेडिकल स्क्रीनिंग और स्वास्थ्य सुविधा में सुधार और सऊदी अरब में रहने और ट्रांसपोर्ट सर्विस के लिए बेहतर तालमेल जैसे कदम उठाए गए हैं। यात्रियों को बेहतर सर्विस देने के लिए इस बार मक्का में होटल–स्टाइल की रहने की जगहें किराए पर ली गई हैं। बिना किसी परेशानी के निकलने के लिए एयरपोर्ट पर चेक–इन प्रक्रिया को आसान बनाने पर भी खास जोर दिया गया है।

हज ऑपरेशन देश भर में 17 एम्बार्केशन पॉइंट्स के जरिए किए जाएंगे, जिससे आसान और अच्छी लॉजिस्टिक्स सुनिश्चित होगी। इनमें दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, हैदराबाद, कोलकाता, बेंगलुरु, श्रीनगर और दूसरे बड़े शहर शामिल हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अधिकारियों द्वारा जारी सभी गाइडलाइंस और निर्देशों का पालन करें, जिसमें स्वास्थ्य और ट्रैवल एडवाइजरी शामिल हैं, ताकि हज सुरक्षित और रूहानी तौर पर पूरा हो सके।

सूंघने की क्षमता में गिरावट भी अल्जाइमर्स का शुरुआती संकेत

नई दिल्ली, 17 अप्रैल।

अल्जाइमर एक ऐसी अवस्था है जिसमें ढलती उम्र के साथ याददाश्त कमजोर होती चली जाती है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, अल्जाइमर डिमेंशिया (मस्तिष्क क्षीणता) का एक प्रकार है। इसमें याददाश्त के साथ–साथ सोचने–समझने, निर्णय लेने, और पहचानने व बोलने और समझने की क्षमता में गिरावट आती है। कुछ ऐसे लक्षण होते हैं जिन पर गौर किया जाए तो इसको काबू में किया जा सकता है। इसमें से एक सूंघने की क्षमता भी है।

एक नए शोध में संकेत मिला है कि सूंघने की क्षमता में कमी अल्जाइमर्स के शुरुआती संकेत हो सकते हैं, जो याददाश्त में गिरावट के स्पष्ट लक्षणों से पहले ही दिखाई दे सकती है। यह निष्कर्ष प्रतिष्ठित जर्नल नेचर कम्युनिकेशन्स में प्रकाशित हुआ है, जिसमें बताया गया कि दिमाग में होने वाले शुरुआती बदलाव इंद्रियों, विशेष रूप से सूंघने की क्षमता पर असर डालते हैं।

जर्मनी के डीजेडएनई और लुडविंग–मैक्सिमिलियंस–यूनिवर्सिटी म्यूनिख के वैज्ञानिकों ने पाया कि दिमाग की प्रतिरक्षा प्रणाली इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। शोध के अनुसार, माइक्रोग्लिया नामक प्रतिरक्षा कोशिकाएं गलती से उन तंत्रिका रेशों पर हमला कर सकती हैं, जो सूंघने की क्षमता के लिए जरूरी होते हैं।

अध्ययन में बताया गया कि सूंघने से जुड़ी समस्या तब उत्पन्न होती है, जब दिमाग के दो अहम हिस्सों के बीच संचार बाधित हो जाता है। इनमें ओलफैक्ट्री बल्ब, जो नाक से आने वाले गंध संकेतों को प्रोसेस करता है, और लोकस

कोरुलियस शामिल हैं, जो इस प्रक्रिया को तंत्रिका कनेक्शनों के जरिए नियंत्रित करता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, जब माइक्रोग्लिया इन दोनों हिस्सों के बीच संपर्क को प्रभावित करती हैं, तो गंध पहचानने की क्षमता कमजोर पड़ने लगती है। यही बदलाव आगे चलकर अल्जाइमर के अन्य लक्षणों का संकेत बन सकते हैं। इस अध्ययन में चूहों और इंसानों, दोनों पर आधारित साक्ष्य शामिल किए गए। शोधकर्ताओं ने दिमाग के ऊतकों के विश्लेषण और पीईटी स्कैनिंग के जरिए यह समझने की कोशिश की कि बीमारी के शुरुआती चरणों में ये परिवर्तन कैसे होते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सूंघने की क्षमता में कमी को समय रहते पहचाना जाए, तो यह अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारी के शुरुआती निदान में मददगार साबित हो सकता है, जिससे इलाज और देखभाल के बेहतर विकल्प विकसित किए जा सकते हैं।